آستانہ حضرات مخدومین سادات چودہوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com

٧٨٦/٩٢

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

ص م ح م د صلی اللہ علیہ وسلم

ص ح م د م صلی اللہ علیہ وسلم

ص م د م ح صلی اللہ علیہ وسلم

ص د م ح م صلی اللہ علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़

अस्सलामुल्मुह़म्मदिय्यु ﷺ मिनल मीमिल अर्बईन बिदूनिन्नुक़त़ति

सलामे मोह़म्मदी चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़ (25)

मुरत्तिब

बमौक़ा रबीउ़ल्अव्वल 1439हि0

बफ़ैज़े रूह़ानी सय्यिदुना मोह़युद्दीन
व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात
मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्ला हुम्मल वाह़िदु ल कल ह़म्दु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि व सल्लिम मुकर्ररन अ़ला मौलाई मुरादि क मा स़ल्लल्लाहु व सल्ल म लम्मा औरदल्लाहु वुद्दहू म अ़ कलामिही सि़र मुह़म्मदन ह़म्दुहुद्दाइमु ला इलाह इल्लल्लाहु व कलामु क मुह़म्मदुर रसूलुल्लाहि व मा स़ल्ला वसल्ल म कुल्लुल आ़लमि ह़ा ल मौलिदिही व हु व वुद्दु क मुह़म्मदुर रसूलुल्लाहि व अअ़लल्लाहु वालिदहू कुल्लल वालिदि वउम्महू कुल्लल उम्मि वआलहू कुल्ललआलि वअ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल्मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिलइस्लामि व आलिही व वालिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लीयिल्लाहि वह़वारिय्यि वलीयिल्लाहि वआलिही वकुल्लि

उममि रसूलिल्लाहि कुल्लल ह़ालि।

मुराद: अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। ऐ हमारे वाह़िद अल्लाह सारी ह़म्द अल्लाह ही के लिए है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है वही मुकर्रर दुरुदो सलाम हमारे मौला अल्लाह की मुराद के लिए हो कि अल्लाह दुरूदो सलाम वारिद किए दराँ हाल कि अल्लाह वारिद किए अल्लाह की मोह अल्लाह के कलाम सि़र मोह़म्मदन से कि उस का दाइमी हम्द ला इलाह इल्लल्लाह है और अल्लाह का कलाम मोह़म्मदुर्रसूलुल्लाह है और वह दुरूदो सलाम मोकर्रर वारिद हो कि सारा आ़लम उस के मौलिद के लम्ह़ा दुरूदो सलाम वारिद किए और वह अल्लाह की मोह मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है अल्लाह औला किए उस रसूल के वालिद को सारे वालिद से और माँ को सारी माओं से और आलो औलाद को सारी आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी केलिए हो और आल केलिए हो, इस्लाम के मददगार केलिए हो और आल केलिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह केलिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम।

तौज़ीह़ी तर्जमाः– अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है ऐ हमारे यक्ता अल्लाह तेरे ही लिए तमाम तअ़रीफ़ है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू खुब खूब दुबारह वही दुरूदो सलाम मेरे मौला अपनी चाहत पर नाज़ि़ल फ़रमा जो दुरूदो सलाम तूने अपने कलाम कुन मुह़म्मदन से अपनी मोह़ब्बत को ज़ाहिर करने के वक़्त भेजा जिन की दाइमी ह़म्द लाइलाह इल्लल्लाह है और तेरा कलाम मोह़म्मदुर्रसूलुल्लाह है और तू फिर वही दुरूदो सलाम मेरे मौला अपनी चाहत पर नाज़ि़ल फ़रमा जो दुरूदो सलाम सारे जहान ने तेरे ह़बीब ﷺ की विलादत के वक़्त भेजा और वह तेरी मोह़ब्बत मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद (सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रद़ियल्लाहु अ़न्हु) को तूने तमाम वालिद में अ़ज़मत वाला बनाया और जिनकी माँ (बी बी आमिना रद़ियल्लाहु अ़न्हा) को तमाम माओं में अ़ज़मत वाला बनाया और जिनकी आलो औलाद को तमाम आलो औलाद में अ़ज़मत वाला बनाया और (दुरूदोसलाम नाज़ि़ल हो)आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रद़ियल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे ह़ुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ात़ेमा ज़हरा रद़ियल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के

ज़ि़न्दा करनेवाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रद़ियल्लाहुअ़न्हु पर आपकी आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीनह़सनसन्जरी पर आपकी आलपर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस्ह़ाबे रूह़ानी पर और आलपर,और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम।

फ़ज़ीलते सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़(25)

यह "सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम" जो कि 40 मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्क़ूत़ है जिस को समझने के लिए तौज़ीह़ी तर्जमा शामिल है जो शख़्स़ इस दुरूद को रोज़ाना 12/40 बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की मोह़ब्बत और खुश्नूदी ह़ासि़ल होगी और वह रूह़ानी कमालात, स़ालिह़ीन व स़ादिक़ीन के फ़ैज़ान और हिदायते दाइमी से मुस्तफ़ीज़ होगा वह दह्रो क़ब्रो ह़श्र की जुम्ला मुसीबतों से मह़फ़ूज़ हो कर नबी करीम ﷺ की क़ुर्बते ख़ास़ से फ़ैज़याब होगा, उस की हर दुआ़ क़बूल होगी और ईमान पर ख़ातेमा होगा। इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

Mo. 9695435877